इथेनाल मिश्रण से फ्लेक्स ईंधन का किया निर्माण

■ भविष्य की चुनौतियों के समाधान को यूपीईएस के छात्रों का इनोवेशन

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

यूपीईएस के छात्र इनोवेशन के साथ भविष्य की चुनौतियों का समाधान करने में जुटे है। इसी कड़ी में बीटेक की पढ़ाई कर रहे छात्रों के एक समूह ने इथेनाल मिश्रण के साथ फ्लेक्स ईधन का निर्माण कर बड़ी कामयाबी हासिल की है।

यूपीईएस के पुष्पेंद्र सिन्हा, ऋषभ किंगर, सिद्धार्थ राज, विवेक नेगी व वरुण सिंह कुशवाह की परियोजना का उद्देश्य फ्लेक्स फ्यूल विकसित करना है जोकि पारंपरिक गैसोलीन के साथ इथेनाल की

फ्लेक्स फ्यूल तैयार करने वाले छात्र।

शक्ति को जोड़ता है। टीम ने अलग-अलग अनुपात में गैसोलीन के साथ इथेनाल को मिश्रित करके सावधानी पूर्वक फ्लेक्स फ्यूल के चार ग्रेड तैयार किए। इथेनाल मिश्रण से पर्यावरण स्थिरता, ऊर्जा सुरक्षा के साथ ही आर्थिक लाभ है। मकई व गन्ना जैसे नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त इथेनाल पारंपरिक गैसोलीन की तुलना में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को काफी कम कर देता है।

ईंधन मिश्रण में इथेनाल को एकीकृत करने के साथ ही जलवायु परिवर्तन को कम करने में योगदान देती है। फ्लेक्स फ्यूल एक विविध ऊर्जा स्रोत प्रदान करता है। इससे आयातित तेल पर निर्भरता कम होगी। इथेनाल उत्पादन किसानों के लिए नये राजस्व का स्रोत बनकर ग्रामीण विकास को बढ़ावा देगा।

छात्रों ने कठोर रिसर्च, प्रयोग अभूतपूर्व समाधान विकसित किया है। साथ ही वैकल्पिक ईंधन और टिकाऊ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में भविष्य की प्रगति के लिए आधारशिला भी रखी है।